
.. Surya Namaskar Mantra ..

॥ सूर्यनमस्कार मन्त्रः ॥

Document Information

Text title : sUryanamaskAramantrAH
File name : suryanamaskArmantra.itx
Category : mantra
Location : doc_deities_misc
Language : Sanskrit
Subject : philosophy/hinduism/religion
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
Site access : <http://sanskritdocuments.org>

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

August 3, 2016

sanskritdocuments.org

॥ सूर्यनमस्कार मन्त्राः ॥

ॐ ध्येयः सदा सवितृमण्डल मध्यवर्ति ।
नारायणः सरसिजासन्संइविष्टः ।
केयूरवान मकरकुण्डलवान किरीटी ।
हारी हिरण्मयवपुधृतशंखचक्रः ॥

ॐ हां मित्राय नमः ।
ॐ हीं रवये नमः ।
ॐ हूं सूर्याय नमः ।
ॐ ह्रैं भानवे नमः ।
ॐ ह्रौं खगाय नमः ।
ॐ हः पूष्णे नमः ।
ॐ हां हिरण्यगर्भाय नमः ।
ॐ हीं मरीचये नमः ।
ॐ हूं आदित्याय नमः ।
ॐ ह्रैं सवित्रे नमः ।
ॐ ह्रौं अर्काय नमः ।
ॐ हः भास्कराय नमः ।

ॐ हां हीं हूं ह्रैं ह्रौं हः
ॐ श्रीसवितृसूर्यनारायणाय नमः ॥

आदितस्य नमस्कारान् ये कुर्वन्ति दिने दिने ।
जन्मान्तरसहस्रेषु दारिद्र्यं दोष नाशते ।
अकालमृत्यु हरणं सर्वव्याधि विनाशनम् ।
सूर्यपादोदकं तीर्थं जठरे धारयाम्यहम् ॥
योगेन चित्तस्य पदेन वाचा मलं शरीरस्य च वैद्यकेन ।
योपाकरोत्तं प्रवरं मुनीनां पतंजलिं प्रांजलिरानतोऽस्मि ॥

.. Surya Namaskar Mantra ..
was typeset on August 3, 2016

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

॥ सूर्यनमस्कार मन्त्रः ॥

